



0752CH01

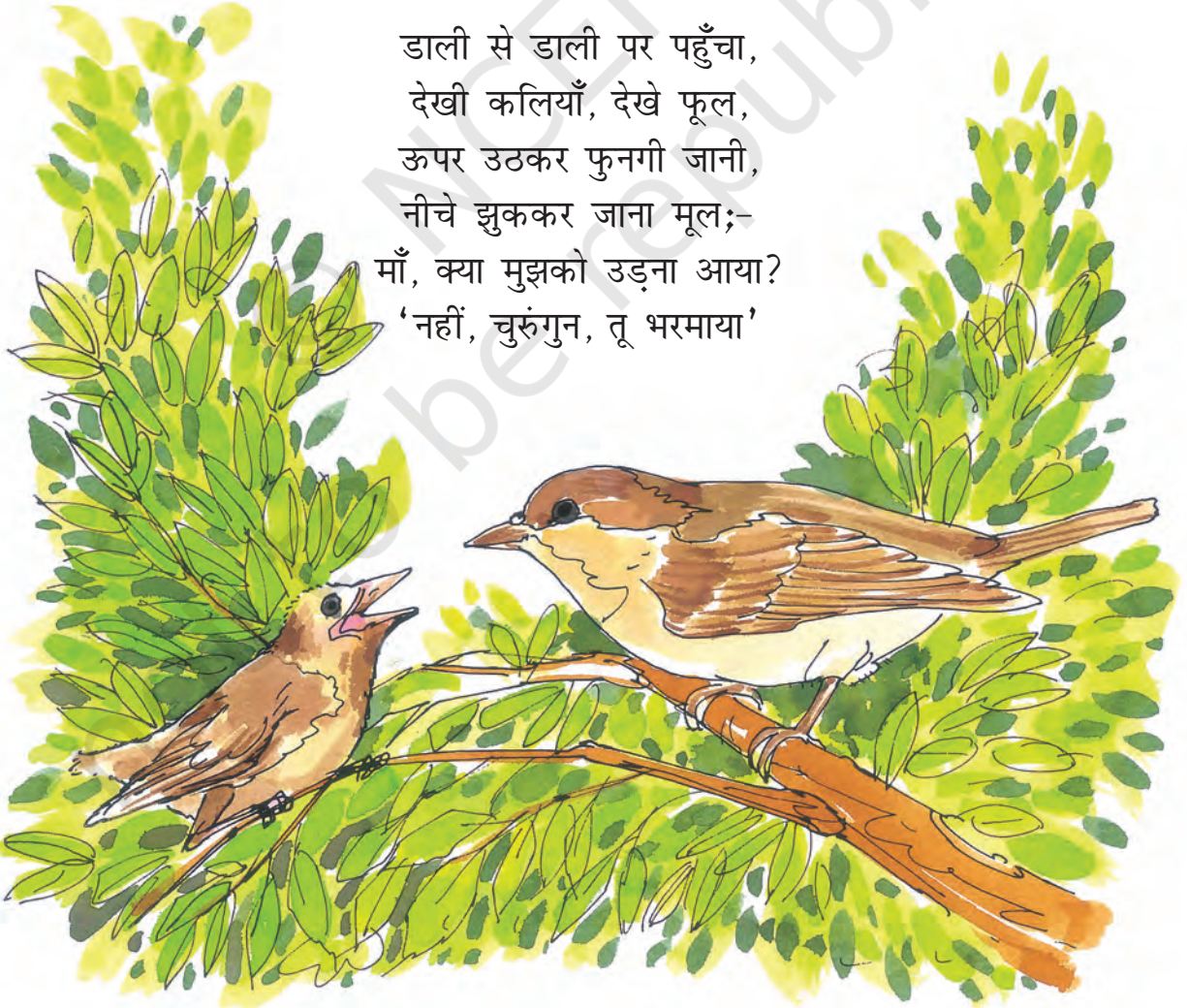


पहला पाठ

## चिड़िया और चुरुंगुन

छोड़ घोंसला बाहर आया,  
देखी डालें, देखे पात,  
और सुनी जो पत्ते हिलमिल  
करते हैं आपस में बात;-  
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?  
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'

डाली से डाली पर पहुँचा,  
देखी कलियाँ, देखे फूल,  
ऊपर उठकर फुनगी जानी,  
नीचे झुककर जाना मूल;-  
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?  
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'





कच्चे-पक्के फल पहचाने,  
खाए और गिराए काट,  
खाने-गाने के सब साथी  
देख रहे हैं मेरी बाट;-  
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?  
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'



उस तरु से इस तरु पर आता,  
जाता हूँ धरती की ओर,  
दाना कोई कहीं पड़ा हो  
चुन लाता हूँ ठोक-ठठोर;  
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?  
'नहीं, चुरुंगुन, तू भरमाया'



मैं नीले अज्ञात गगन की  
सुनता हूँ अनिवार पुकार  
कोई अंदर से कहता है  
उड़ जा, उड़ता जा पर मार;-  
माँ, क्या मुझको उड़ना आया?

'आज सुफल हैं तेरे डैने,  
आज सुफल है तेरी काया'

-हरिवंशराय बच्चन



## अभ्यास

## शब्दार्थ

पात	-	पत्ता	फुनगी	-	वृक्ष या शाखा का सिरा
भरमाया	-	भ्रम में पड़ गया	बाट	-	राह, रास्ता
तरु	-	वृक्ष, पेड़	अनिवार	-	लगातार
अज्ञात	-	अनजान, जिसके बारे में कुछ पता न हो			

## 1. नमूने के अनुसार लिखो

## नमूना

छोड़ घोंसला बाहर आया,  
देखी डालें, देखे पात।

चुरुंगुन घोंसला छोड़कर बाहर आया। उसने डालें और पत्ते देखे।

- क** डाली से डाली पर पहुँचा,  
देखी कलियाँ देखे फूल।
- ख** खाने-गाने के सब साथी,  
देख रहे हैं मेरी बाट।
- ग** कच्चे-पक्के फल पहचाने,  
खाए और गिराए काट।
- घ** उस तरु से इस तरु पर आता,  
जाता हूँ धरती की ओर।

## 2. कविता से

- क** चुरुंगुन अपने 'उड़ने' के बारे में बार-बार अपनी माँ से क्यों पूछता है?
- ख** चुरुंगुन को कौन-कौन सी चीजें अच्छी लगती हैं?
- ग** चुरुंगुन अभी-अभी अपने घोंसले से निकला है। फिर भी वह पूरी दुनिया के बारे में जानना चाहता है। तुम किन चीजों के बारे में जानना चाहते हो?



4/दूर्वा

### 3. क्रम से लगाओ

नीचे कुछ चीज़ों के नाम लिखे हैं। चुरुंगुन ने पहले किसे देखा? क्रम से लगाओ।

फूल, पात, फुनगी, डाल, फल, कलियाँ,  
धरती, साथी, तरु, दाना, गगन

### 4. और चुरुंगुन उड़ गया

उड़ने के बाद चुरुंगुन कहाँ-कहाँ गया होगा? उसने क्या-क्या देखा होगा?  
अपने शब्दों में लिखो।



### 5. वचन बदलो

नमूना

एकवचन

बहुवचन

घोंसला

—

घोंसले, घोंसलो

डाल

—

बात

—

कली

—

फूल

—

फल

—

साथी

—

तरु

—

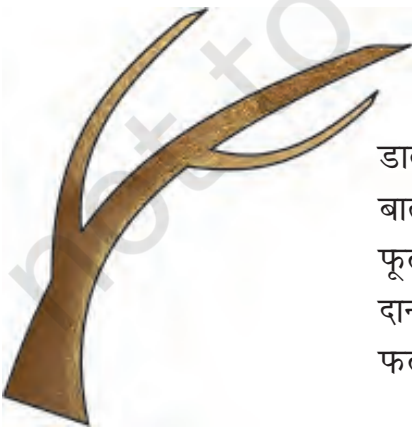
दाना

—

डैना

—

### 6. बार-बार बोलो और प्रत्येक शब्द से वाक्य बनाओ



डाल — डाल  
बात — बात  
फूल — मूल  
दाना — धान  
फल — पल

